Roll No. ……..

CVK–01

कर्मकाण्ड एवं पंचांग कर्म परिचय

वैदिक कर्मकाण्ड में प्रमाण पत्र (सी. वी. के.–14/16)

परीक्षा, 2017

समय **: 3** घण्टे पूर्णांक **: 70**

नोट : यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गायत्री के स्वरूप का वर्णन करते हुए महत्व प्रतिपादित कीजिये।
2. वास्तु शान्ति विधि लिखिये।
3. नवग्रह स्थापन पूजन विधि का वर्णन कीजिए।
4. आभ्युदायिक श्राद्ध की विधि लिखिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच (05) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल छः (06) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. पुराणों का परिचय दीजिये।
2. गणपति अनुष्ठान की विधि लिखिये।
3. स्वस्तिवाचन के पाँच मन्त्रों को लिखिये।
4. संकल्प की विधि प्रतिपादित कीजिए।
5. पुण्याहवाचन कैसे किया जाता है ?
6. कलशस्थापन विधि लिखिये।
7. भूमिपूजन विधि लिखिए।
8. तिलपात्र दान विधि लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. कलश के मूल में वास होता है—
   (क) विष्णु का
   (ख) रुद्र का
   (ग) ब्रह्मा का
   (घ) मातृगणों का

2. सूर्य के प्रत्यधि देवता का नाम है—
   (क) अग्नि
   (ख) आपः
   (ग) धरा
   (घ) विष्णु

3. बुध के प्रत्यधि देवता का नाम है—
   (क) अग्नि
   (ख) आपः
   (ग) धरा
   (घ) विष्णु

4. चन्द्रमा की समिधा है—
   (क) अर्क
   (ख) पलाश
   (ग) खदिर
   (घ) अपामार्ग

5. प्रथम षोडशमातृका है—
   (क) शची
   (ख) मेधा
   (ग) गौरी
   (घ) पद्मा

6. प्रथम वेद है—
   (क) सामवेद
   (ख) यजुर्वेद
   (ग) अथर्ववेद
   (घ) ऋग्वेद

7. "आकृष्णेन रजसा ....." किसका मन्त्र है ?

(क) मंगल का

(ख) बुध का

(ग) चन्द्रमा का

(घ) सूर्य का

8. प्रणीता पात्र होता है—

(क) चौकोर

(ख) त्रिकोण

(ग) पञ्चकोण

(घ) षट्कोण

9. शिलान्यास में चौथी शिला का नाम है—

(क) नन्दा

(ख) भुद्रा

(ग) जपा

(घ) रिक्ता

10. 'सप्तमृदः' में मृदः क्या है ?

(क) मिट्टी

(ख) फल

(ग) मिष्ठान्

(घ) शहद